vinetur

इटली के वाइन उत्पादकों की लागत 8.9% बढ़ी, मुनाफे का मार्जिन दबाव में

खुदरा वाइन कीमतें 2.6% गिरीं, जिससे उत्पादकों की मूल्य तय करने की क्षमता कमजोर हुई ; 35% इटलीवासी खरीदारी घटा सकते हैं

शुक्रवार, 13 नवंबर 2026



इटली के वाइन उत्पादकों की उत्पादन लागत ऐसे समय बढ़ रही है, जब घरों की मांग कमजोर पड़ रही है। इस दोहरे दबाव से क्षेत्र का मुनाफे का मार्जिन सिकुड़ रहा है और सरकार से अधिक समर्थन की मांग उठ रही है।

शुक्रवार, 13 नवंबर को Unione Italiana Vini (UIV) ने कहा कि इटली में मुद्रास्फीति की हालिया वापसी ने देश के वाइन उद्योग पर दबाव बढ़ा दिया है। व्यापार समूह ने Ismea के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि सितंबर में क्षेत्र की उत्पादन लागत एक साल पहले की तुलना में 8.9% बढ़ी, जबकि Istat के अनुसार खुदरा वाइन कीमतों में 2.6% की गिरावट आई।

यह अंतर इसलिए अहम है क्योंकि वाइनरी वाइन के उत्पादन और बोतलबंदी पर अधिक खर्च कर रही हैं, जबकि दुकानों

की अलमारियों पर उपभोक्ताओं को दिखने वाली कीमतें विपरीत दिशा में जा रही हैं। नतीजतन, लागत और राजस्व के बीच बढ़ता असंतुलन ऐसे समय पैदा हो रहा है, जब कई कारोबारी पहले से ही घरेलू बिक्री में कमजोरी और निर्यात के अधिक चुनौतीपूर्ण माहौल से जूझ रहे हैं।

UIV ने Il Sole 24 Ore के लिए Noto Sondaggi के एक सर्वेक्षण का भी हवाला दिया, जिसके मुताबिक 35% इटलीवासी किराने की खरीदारी में वाइन शामिल करना बंद करने के लिए तैयार हैं। घरेलू खपत और अंतरराष्ट्रीय मांग, दोनों पर निर्भर क्षेत्र के लिए यह संकेत है कि जीवन-यापन की बढ़ती लागत के दबाव में परिवार खर्च घटा सकते हैं।

उद्योग समूह ने कहा कि ऊर्जा की बढ़ती लागत ने स्थिति को और मुश्किल बना दिया है, क्योंकि वाइनरी पर इसका बोझ पड़ रहा है, जबकि बिक्री कीमतों में उसी अनुपात में बढ़ोतरी नहीं हुई है। अंगूर के बागों के कामकाज और वाइन तहखाने के प्रबंधन से लेकर बोतलबंदी, भंडारण और परिवहन तक, पूरी वाइन आपूर्ति शृंखला में ऊर्जा एक प्रमुख खर्च है। इसमें लगातार बढ़ोतरी से मुनाफा तेजी से घट सकता है, खासकर छोटे और मध्यम आकार के उत्पादकों का।

UIV के अध्यक्ष Lamberto Frescobaldi ने कहा कि पहले से दबाव में चल रहे बाजार में क्षेत्र को बाहरी चुनौतियों से लगातार जूझना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के बजट विधेयक में ऐसे उपाय शामिल हैं जिनसे वाइन उद्योग को मदद मिल सकती है, जिनमें ऊर्जा लागत के लिए सहायता और ऊर्जा दक्षता में निवेश के प्रोत्साहन शामिल हैं। उन्होंने इन उपायों को जल्द लागू करने की मांग की।

Frescobaldi ने सरकार से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इटली की वाइन के प्रचार के लिए पहले से तय संसाधनों के अतिरिक्त विशेष अनुदान देने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शुल्कों, कमजोर खपत और विदेशी बाजारों की व्यापक चुनौतियों के असर के साथ-साथ नए वाइन उत्पादक देशों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना कर रही इटली की वाइन कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने के लिए यह सहायता जरूरी है।

UIV के बताए आंकड़े पेय कारोबार की एक व्यापक समस्या को उजागर करते हैं। जब उत्पादन लागत अंतिम कीमतों से तेज़ी से बढ़ती है, तो कंपनियों का मुनाफे का मार्जिन घट सकता है और विपणन, प्रौद्योगिकी तथा विदेशी वितरण में निवेश की गुंजाइश कम हो सकती है। खास तौर पर वाइन उत्पादकों के लिए, इससे विदेशों में बाजार हिस्सेदारी बचाने की क्षमता सीमित हो सकती है, जबकि वैश्विक प्रतिस्पर्धा तेज हो रही है। दबाव जारी रहने पर इसका असर आपूर्ति शृंखला में खर्च के फैसलों पर भी पड़ सकता है—अंगूर उत्पादकों और बोतलबंद करने वाली कंपनियों से लेकर लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाताओं और निर्यातकों तक।

UIV द्वारा उद्धृत आंकड़ों के मुताबिक, यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब अक्टूबर में इटली की कुल मुद्रास्फीति दर 5.4% पर पहुंच गई। हालांकि, वाइन क्षेत्र के लिए चुनौती केवल मुद्रास्फीति नहीं, बल्कि यह भी है कि उसका असर असमान रूप से पड़ रहा है। उत्पादकों की लागत बढ़ रही है, जबकि उपभोक्ता कीमतों को लेकर अधिक संवेदनशील हो रहे हैं और कई मामलों में गैर-जरूरी खरीदारी घटा रहे हैं।

इस स्थिति में वाइनरी बढ़ते खर्च और कीमतें तय करने की कमजोर क्षमता के बीच फंस गई हैं। इससे UIV द्वारा मांगे गए सरकारी उपायों, खासकर ऊर्जा सहायता और निर्यात प्रोत्साहन, का महत्व बढ़ जाता है। क्षेत्र ऐसे दौर में प्रवेश कर रहा है जिसमें मांग कमजोर है और अंतरराष्ट्रीय वाइन बाजारों में प्रतिस्पर्धा कड़ी हो रही है।